OM - 20- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 12/29/2021 12:05 PM Page 5

क्या जीवन के आखिरी क्षण ही ईश्वर प्राप्ति के सर्वश्रेष्ठ क्षण हैं?

हे लो ! रवि, मैं तैयार हूँ, आ जाओ तुम।

ठीक है रोहन, आता हूँ।

और रवि कैसा चल रहा है जीवन, आज कल तुम कुछ बताते नहीं।

जीवन तो एकदम आनंदमय चल रहा है। और तुम्हारा जीवन कैसा चल रहा है रोहन?

मेरे दोस्त मेरा तो जीवन बस ऐसे संघर्ष में ही बीत जाएगा शायद। इतनी समस्या हैं जीवन में कि कुछ पूछो मत।

अरे! क्या हुआ ऐसा?

अरे, क्या-क्या बताऊं मैं तुम्हें, दफ्तर में बॉस ने दुःखी कर रखा है और घर में धर्मपत्नी ने और भी बहुत कुछ है।

तो मैं हूँ ना, तू मुझे बता अपनी समस्या शायद मैं तेरी मदद कर सकूं।

अरे! भाई कब तक तू मेरी समस्या सुनेगा। एक दिन तू भी कहेगा बस कर अपने ये दुःख के पिटारे खोलने।

ओह! अच्छा! भाई फिर तू ना एक काम कर, तू अपने कुछ पल प्रभु के साथ बिताने प्रारम्भ कर, तू उससे बातें कर तो तूझे हल्कापन लगेगा और समस्या का समाधान भी मिलेगा।

दोस्त, तू फिर यही अटक गया रवि। अगर मैं भगवान के साथ समय बिताऊंगा तो ये नौकरी, बीवी, बच्चों की सम्भाल, घर की ज़िम्मेदारियां कौन लेगा? अरे भगवान थोड़े निभाने आ जाएगा।

अरे रोहन ऐसा कुछ नहीं है तू करके तो देख।

रवि, ना तो मेरे पास ये सब करने का टाइम है और न ही मुझे सन्यासी बनना है। तूझे करना है तू कर।

चल कोई नहीं, तू ऐसे नाराज़ मत हो।

अरे मैं नाराज़ नहीं हो रहा, अच्छा ये बता तेरे बेटे का(साहिल) के परीक्षा का परिणाम क्या रहा?

हाँ बहुत अच्छा रहा उसका परीक्षाफल। उसने 93 प्रतिशत प्राप्त किए हैं।

अच्छा। लेकिन रवि इससे होगा क्या, आज के समय में हर क्षेत्र में इतनी प्रतियोगिता है कि इन अंकों से उसका कुछ नहीं होने वाला। मैंने तेरे से पहले भी बोला था तू अपने साथ-साथ उसका जीवन बर्बाद मत कर। अरे बढ़ाना है तो उसे तो पढ़ाई-लिखाई में बढ़ा, खेल-कूद में आगे बढ़ा। रोज़-रोज़ उसको भगवान के घर ले जाने से क्या होगा! अरे अभी तो उसका पूरा जीवन पड़ा है, बाद में कर लेगा भगवान का ध्यान, उनकी आराधना।

रोहन तू एक बात बता, तू अपने बेटे से पढ़ाई छोड़कर पूरे दिन अपनी सेवा करने के लिए कहता है?

नहीं(रोहन बोला)।

अच्छा क्या तेरे मिलने के बाद तेरा बेटा नकारा हो जाता है?

बिल्कुल नहीं।

और एक और बात बता, क्या तेरे साथ रहते हुए तेरा बेटा उन्नति नहीं कर सकता?

बिल्कुल भी नहीं, और तू ऐसे बेतुके प्रश्न क्यों पूछ रहा है? यहाँ कोई सिर-पैर है इन सभी बातों का?

बिल्कुल है। भाई देख जैसे तू एक बाप होने के नाते अपने बेटे को नकारा नहीं बनाना चाहता, ये नहीं चाहता कि वो बस तेरी सेवा पूजा करे अपने काम-धंधे छोड़कर। ठीक उसी प्रकार हमारा

हमारी मान्यताएं ऐसी बनी हुई हैं कि ईश्वर प्राप्ति का समय वृद्ध अवस्था है, किन्तु हमें ये पता नहीं कि हमारी मृत्यु की तारीख कब है! इसी असमझ ने, ईश्वर से होने वाली बहुउपयोगी प्राप्ति से वंचित कर दिया है। अब इस भ्रम को मिटा कर सही समझ से स्वयं को शक्तिशाली बनाना होगा।

प्यारा पिता परमात्मा भी हम सभी का पिता है वो भी अपने बच्चों को नकारा बनाना नहीं चाहता, वो भी नहीं चाहता के बच्चे धंधाधोरी को छोड़कर उसके पास आ जाएं अर्थात् सन्यासी बन जाए। तो रवि ये सब करने से भी क्या होगा, समस्या कम थोड़े होगी क्योंकि बॉस भी वही है और बीवी भी। रोहन देख, जैसे एक बच्चा अपने बाप के साथ होता है तो निश्चित रहता है, बेफिक्र रहता है वैसे अगर हम भी अपने पिता के साथ सदैव रहें माना उसकी याद में रहें तो हम भी हल्के रहेंगे क्योंकि हम फिर उसकी मदद को महसूस करने के पात्र बन जाएंगे। और हाँ परिस्थितियां आयेंगी लेकिन वो तुम्हें शक्ति देगा जिससे तुम उनको सहज पार कर सकोगे। और अभी बिल्कुल सही बोला तू, कि तू भी कब तक मेरे दुःख सुनेगा, एक दिन तू भी मुख मोड़ लेगा। क्योंकि भाई आज सभी के पास अपने खुद के ही दुःख इतने हैं कि वो दूसरे के दुःख सुनना तक नहीं चाहते, वो स्वयं ही इतने उलझे हुए हैं तो वो दूसरे को क्या सुलझाएंगे।

इसलिए भाई बस एक वो खुदा दोस्त ही ऐसा है जो हमें सदैव सुनता भी है, समझता भी है और फिर हमारे दुःख हर्ता भी है। अच्छा! परन्तु हमें अभी इस उम्र में उसको याद करने की क्या ज़रूरत है? अभी तो ज़िंदगी बहुत बाकी है। अच्छा! मेरे एक और प्रश्न का उत्तर दे। तू अपने मृत्यु की तारीख लिखवाकर लाया है कहीं से? कोई लिखित में प्रमाण है तेरे पास कि तू इस सन में इतनी तारीख को ही शरीर छोड़ेगा?

नहीं लाया मैं(रोहन बोला)।

हाँ बिल्कुल सही बोला तूने और तू तो क्या, इस संसार में कोई मनुष्य नहीं लाया। तो जब तूझे ये सुनिश्चित ही नहीं भी ज़रूर पहुंचेगा! और हाँ, क्या किसी वेद शास्त्र में ऐसा लिखा है कि ईश्वर की प्राप्ति जीवन के आखिरी क्षण में ही की जा सकती है।

हाँ ऐसा तो कुछ नहीं लिखा(रोहन बोला)।

मेरे प्यारे भाई तू इस अंधेरे की दुनिया से बाहर आ क्योंकि हमें समय और मौत बताकर नहीं आएगी। और वानप्रस्थ अवस्था तक तुम बिस्तर, लाठी पकड़ने के बाद, शरीर का साथ ना देने पर कैसे ईश्वर को प्राप्त कर पाओगे जब ये सब तुम चलते हाथ-पैर नहीं प्राप्त कर पा रहे तो! और अंत में सिर्फ पश्चाताप ही होगा, ना कि ईश्वर की प्राप्ति!

प्यारे भाई, वो हमारा पिता है, हर उम्र, हर क्षण और हर परिस्थिति में वो हमारे साथ है, था और रहेगा। और वो हमें जीवन जीने की कला सिखाता है, ना कि हमारे जीवन को काला बनाता है। वो हमें कर्मों का सन्यास नहीं सिखाता। वो तो हमें विकारों का सन्यास सिखाता है। हमारे जीवन को संतुलित बनाना सिखाता है। चेक करो! नहीं तो जीवन की अनमोल घड़ियां यूं ही बीत न जाएं कहीं!

हाँ रवि, मैं आज तेरी सभी बातों से सहमत भी हूँ और मुझे अब तूने सही राह भी दिखा दी। मेरा जो भ्रम था वो आज तूने दूर किया है और बताया कि वृद्ध अवस्था ही सर्व श्रेष्ठ समय नहीं है ईश्वर को प्राप्त करने का। हम उसको जितना शीघ्र प्राप्त करें, जितनी ज़्यादा अपनी श्वास सफल करें उतना हमारे लिए अच्छा है।

प्यारे भाईयों-बहनों, आप राजयोग के द्वारा गृहस्थ व्यवहार में रहते कमल पुष्प समान बन सकते हैं। ईश्वर हमें सन्यासी नहीं कर्मयोगी बनाते हैं। क्योंकि इस तन में रहते कर्मों का सन्यास लेना ये संभव नहीं है। शरीर निर्वाह अर्थ तो कर्म हमें करने ही होंगे। इसलिए मीठे भाई-बहनों आप अपने नज़दीकी सेवाकेन्द्र पर जाकर राजयोग के अभ्यास द्वारा ईश्वर का परिचय प्राप्त कर सकते हैं।

ब्र.कु. उर्वशी,दिल्ली

नई दिल्ली। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को उनके 62वें जन्मदिन की बधाई देने के पश्चात् सौगात भेंट करते हुए माउण्ट से राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय भाई एवं राजयोगी ब्र.कु. प्रकाश भाई। दादियों की ओर से उन्हें आशीर्वाद भी दिया एवं माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया।

कुरुक्षेत्र-हरियाणा। हरियाणा योग आयोग द्वारा आयोजित छः दिवसीय कार्यक्रम में स्वामी ज्ञानानंद जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सरोज दीदी।

नरवाना-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा उझाना गांव में विश्व मृदा दिवस पर किसानों के लिए आयोजित जागृति शिविर में मिट्टी जाँच अधिकारी वजीर सिंह, गांव के प्रयास समिति के प्रधान सुरेश, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सीमा बहन, संयोजक डॉ. साधु राम शर्मा, ब्र.कु. मीना, ब्र.कु. पूजा सहित बड़ी संख्या में किसान भाई-बहनों ने भाग लिया।

मोतिहारी-बिहार। हिंदुस्तान हिन्दी दैनिक के वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट विजय सिंह को परमात्म परिचय देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुनीता बहन।

आस्का-ओडिशा। ब्रह्माकुमारीज़ के शांति शक्ति भवन द्वारा अशोका सिनेमा हॉल में आयोजित 'खुशियों का सुपर बाज़ार' विषयक त्रिदिवीय 'स्वास्थ्य शिविर' में मंजुला स्वेन,विधायक,आस्का, प्रो. प्रशांत कुमार पण्डा,रिटा. प्रिन्सीपल,साईंस कॉलेज,आस्का, चन्द्र शेखर पात्र,प्रेसीडेंट,बार काउंसिल,आस्का, ब्र.कु. पुरुषोत्तम चौधरी,मोटिवेशनल स्पीकर,एच.आर. ट्रेनर एंड मेमोरी एक्सपर्ट, जूनियर साईंटिस्ट ऑफ डीआरडीओ,भारत सरकार, ब्र.कु. प्रिया चौधरी,चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट,राजयोगा टीचर,भंडारा,नागपुर, देबराज मोहन्ती,पूर्व विधायक एवं प्रेसीडेंट,प्रेस क्लब,आस्का, सत्य नारायण रथ,प्रसन्ना टेटे एक्ज़ीक्युटिव ऑफिसर,एनएसी,आस्का आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान विभिन्न कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए सेमिनार व जेल में कैदी भाई-भाई बहनों के लिए भी कार्यक्रम आयोजित किये गये।

गुरूग्राम-हरियाणा। रेडिसन होटल,गुरूग्राम में कॉमनवेल्थ वोकेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित कॉन्वोकेशन सेरेमनी में डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके को भारत के प्राचीन राजयोग के प्रचार-प्रसार एवं आध्यात्मिकता के क्षेत्र में 174 विश्व कीर्तिमान स्थापित करने हेतु 'डॉक्टर ऑफ लिटरेचर' अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए डॉ. रिपु रंजन सिन्हा,प्रो. वाइस चांसलर,एशिया, डॉ. मानव आहुजा,वाइस प्रेसीडेंट,बड़ा बिजनेस, डॉ. प्रियदर्शी नायक,फाउण्डर,सेंटर ऑफ एजुकेशन डेवलपमेंट,नई दिल्ली तथा श्रीमति साजिया शोजाई,डॉक्यूमेंट्री फिल्ममेकर,अफगानिस्तान।

ओल-भरतपुर(राज.)। ओल स्थित केडीसी कॉलेज के अंतर्गत आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम में श्रीकांत शर्मा,ऊर्जा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को ओम शान्ति मीडिया व ज्ञानामृत पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. योगिता बहन।

जबलपुर-कटंगा कॉलोनी(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा इंडियन आर्मी के जैक राइफल्स युनिट में आयोजित 'सेल्फ एम्पॉवरमेंट' कार्यक्रम में वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. विनीता बहन तथा कर्नल ब्र.कु. विकास राव ने सम्बोधित किया एवं अपने अनुभव साझा किए। दो सौ जवानों ने कार्यक्रम का लाभ लिया।

फतेहाबाद-हरियाणा। गीता जयन्ती महोत्सव में अजय चोपड़ा,अतिरिक्त उपायुक्त को ईश्वरीय सौगात एवं प्रसाद देते हुए ब्र.कु. मोहिनी बहन।